BSOC– 102

B.A. in Applied Hindi/अनुप्रयुक्त हिंदी में स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(BAAHD)

सत्रीय कार्य

(जनवरी **2024** सत्र के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.ओ.सी.–102

भारत का समाजशास्त्र–1

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

मानविकी विद्यापीठ

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

बी.एस.ओ.सी.–102 : भारत का समाजशास्त्र–I
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
2024

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमन आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता है। i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में बी.एस.ओ.सी.–102 भारत का समाजशास्त्र–1, नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलित जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है।

इस पुस्तिका में 3 सत्रीय कार्य हैं जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा जिनका मूल्यांकन में 30 प्रतिशत भार है।

सत्रीय कार्य – I में वर्णनात्मक श्रेणी (DCQs) के प्रश्न हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारों को व्यवस्थित संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य – II में मध्यम श्रेणी (MCQs) के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य–III में लघु श्रेणी (SCQs) के प्रश्न हैं। यह प्रश्न व्यक्तियों ऐतिहासिक लेखन घटनाओं तथा अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद रखने के कौशल को उत्तम बनाने के लिए है।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप **सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें।** आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :

जनवरी, 2024 माह में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 30 सितंबर, 2024 है।

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

अन्य सत्रीय कार्यों की तरह आपके यह सत्रीय कार्य भी अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक को जमा कराना होगा आपका क्षेत्रीय केन्द्र आपको ऑनलाइन सत्रीय कार्य जमा करने की सुविधा भी प्रदान कर सकता है। इसके लिए आप अपने क्षेत्रीय केन्द्र की वेबसाइट पर देखें कि आपके केन्द्र में ऑनलाइन सत्रीय कार्य जमा करने की सुविधा उपलब्ध है अथवा नही।

मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढी, नई दिल्ली को भेजने होते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें।

उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है, तथा

ग) उत्तर आपके भाव शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) **प्रस्तुतीकरण:** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ लिखें** और जिन बिन्दुओं पर आप विशेष बल देना चाहते है उन्हें रेखांकित करें यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ!

बी. एस. ओ. सी.– 102 : भारत का समाजशास्त्र–I
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : बी. एस. ओ. सी –102/ ए. एस. एस.टी-/ TMA/2024
पाठ्यक्रम कोड: BSOC -102
अधिकतम अंक : 100

नोट: इस सत्रीय कार्य में तीन भाग हैं। आपको सभी भागों में सभी प्रश्नों के उत्तर देना है।

सत्रीय कार्य –I

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

1) भारत में समाजशास्त्र के उद्भव की प्रकृति एवं इतिहास का वर्णन कीजिए। 20

2) भारत में कृषक वर्ग संरचना की चर्चा उदाहरण सहित कीजिए। 20

सत्रीय कार्य– II

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

3) प्राच्य विद्या एवं इंडोलॉजिस्ट की तुलना प्रशासनिक परिप्रेक्ष्य में कीजिए। 10

4) उपाश्रित कौन है ? भारत में किसी एक उपाश्रित आंदोलन की चर्चा कीजिए। 10

5) भारत में उद्योगों की विशेषताओं एवं उनके प्रकारों का वर्णन कीजिए। 10

सत्रीय कार्य–III

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है।

6) सामाजिक संरचना का अर्थ क्या है? 6

7) जनजाति की संकल्पना को परिभाषित कीजिए। 6

8) भारत में परिवार पर वैश्वीकरण के प्रभाव की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 6

9) एमिल दर्खाइम द्वारा दी गई जैविक समन्वय की अवधारणा को परिभाषित कीजिए। 6

10) अर्थव्यवस्था के चार प्रकारों की सूची समाज में दुर्लभ संसाधनों के वितरण के आधार पर बनाइए। 6